SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT 2001-2002

ReportJunction.com

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय मणिपाल – 576 119, भारत

HEAD OFFICE : MANIPAL - 576 119, INDIA

INTERNET ADDRESS : http://www.syndicatebank.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय: मणिपाल -576 119
Head Office: Manipal - 576 119

विषय - सूची CONTENTS

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2001 – 2002

	पृष्ठ Page
• अध्यक्ष का कथन Chairman's Statement	3
• सूचना Notice	6
• निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	9
• नैगम शासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	23
• नैगम शासन पर लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report on Corporate Governance	37
• लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	38
• तुलन-पत्र Balance Sheet	40
• लाभ-हानि लेखा P & L Account	41
• लेखों की अनुसूचियाँ Schedules to Accounts	42
• महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ Significant Accounting Policies	49
• लेखा संबंधी टिप्पणियाँ Notes on Accounts	52
• नकदी उपलब्धता विवरण Cash Flow Statement	58
• ईसीएस संबंधी परिपत्र Circular regarding ECS	60
• नामांकन फार्म Nomination Form	64
• प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	67
• उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	69

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

एम. एस. कपूर *अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक* *(समवर्ती पदभार)*	M. S. Kapur *Chairman & Managing Director* *(Concurrent Charge)*
पी. जे. विन्सेन्ट	P. J. Vincent
के. विजयराघवन	K. Vijayaraghavan
पी. सी. नायक	P. C. Nayak
बी. एस. सोंदे	B. S. Sonde
ए. के. खन्ना	A. K. Khanna
रंजना एस. सलगावकर	Ranjana S. Salgaocar
एस. के. खन्ना	S. K. Khanna
भूपिंदर सिंह सूरी	Bhupinder Singh Suri
विनोद गोयल	Vinod Goel
के. एस. शेट्टी	K. S. Shetty
निदेशक	*Directors*

लेखा-परीक्षक

मेसर्स प्रेम गुप्ता एंड कंपनी
मेसर्स हिंगोरानी एम. एंड कंपनी
मेसर्स ए.पी.एस. एसोसिएट्स
मेसर्स पैट्रो एंड कंपनी
मेसर्स कर्रा एंड कंपनी
मेसर्स शंकरन एंड कृष्णन

Auditors

M/s Prem Gupta & Co.
M/s Hingorani M. & Co.
M/s APS Associates
M/s Patro & Co.
M/s Karra & Co.
M/s Sankaran & Krishnan

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट

कार्वी कन्सेलटेन्ट्स लिमिटेड
46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1
बंजारा हिल्स, हैदराबाद – 500 034
दूरभाष : 040-331 2454/332 0751
फैक्स : 040-331 1968

Registrars & Share Transfer Agents

Karvy Consultants Limited
46, Avenue 4, Street No. 1
Banjara Hills, Hyderabad – 500 034
Tel. : 040-331 2454/332 0751
Fax: 040-331 1968

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष का कथन

मुझे, 31 मार्च, 2002 को समाप्त वर्ष में बैंक के कार्य निष्पादन की विशिष्टता में आपको शामिल करते हुए अपार हर्ष हो रहा है ।

वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने तनाव का अनुभव किया, विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में । वर्ष 2001-02 में, सकल घरेलू उत्पाद में 5.4% की वृद्धि होने की संभावना है, जबकि पिछले वर्ष यह 4% ही थी । इसका मुख्य कारण यह है कि वर्ष 2000-01 के दौरान कृषि क्षेत्र में, 0.2% की ऋणात्मक दर की तुलना में वर्ष 2001-02 में 5.7% की भरपूर वृद्धि हुई है । सेवा क्षेत्र में भी, पिछले वर्ष की 5% की तुलना में, वर्ष 2001-02 के दौरान 6.2% की वृद्धि होने की संभावना है। सकल घरेलू उत्पाद में अधिक वृद्धि हो सकती थी, परंतु औद्योगिक क्षेत्र में असंतोषजनक निष्पादन के कारण इसमें काफी गिरावट आई है, जोकि वर्ष 2000-01 में 6.2% की तुलना में वर्ष 2001-02 के दौरान 3.3% की मामूली वृद्धि हुई, जबकि वर्ष 2001-2002 के सभी महीनों में (फरवरी तक) विनिर्माण क्षेत्र ने गिरावट का दौर दर्शाया । संरचनात्मक उद्योग ने पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के 5.6% की तुलना में इस अवधि के दौरान केवल 2.7% की वृद्धि दर्ज की है । इसके परिणामस्वरूप, औद्योगिक उत्पाद सूचकांक में, फरवरी 2001 को समाप्त अवधि के दौरान 5.4% की तुलना में फरवरी 2002 को समाप्त 11 महीने की अवधि के दौरान 2.6% की मामूली-सी वृद्धि हुई । इस कारण अर्थव्यवस्था में मंदी का दौर आ गया और परिणामस्वरूप बैंकिंग क्षेत्र पर अतिरिक्त नकदी और खराब ऋण वितरण के रूप में प्रभाव पड़ा ।

फिर भी, कुछ प्रमुख क्षेत्रों में प्रोत्साहक लक्षण पाए गए हैं । मार्च 2002 के अंत तक वार्षिक मुद्रास्फीति की दर थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर 1.4% रही, जो कि मार्च 2001 के अंत तक 4.9% थी । विदेशी मुद्रा की आरक्षित निधियाँ मार्च, 2002 तक 54.1 बिलियन अमरीकी डॉलर थी ।

आपको यह जानकर बेहद खुशी होगी कि बैंक ने पिछले वर्ष के रु.234.94 करोड़ के निवल लाभ की तुलना में 31.3.2002 की स्थिति के अनुसार रु.250.55 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक निवल लाभ दर्ज किया है । बैंक का परिचालन लाभ, मार्च, 2001 की स्थिति के अनुसार रु.297.80 करोड़ की तुलना में मार्च, 2002 तक रु.355.24 करोड़ हो गया । बैंक के निदेशक मंडल ने इस वर्ष के लिए सम निर्गम पर 12% के लाभांश की घोषणा की है जोकि मौजूदा घटती ब्याज-दर के परिदृश्य में बेहतर प्रतिलाभ है ।

बैंक के वित्तीय अनुपात उसकी शक्ति और सुदृढ़ता दर्शाते हैं । वर्ष के दौरान बैंक की शुद्ध मालियत रु.1010 करोड़ से बढ़कर रु.1204 करोड़ हो गई है । पूँजी पर्याप्तता अनुपात, भा.रि.बैं. के आधार 9% की तुलना में 11.72% से बढ़कर 12.12% हो गया । प्रति शेयर अर्जन रु.4.98 से बढ़कर रु.5.31 हो गया है । वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता रु.134 लाख से बढ़कर रु.155 लाख हो गई है और प्रति कर्मचारी लाभ मार्च 2001 के रु.0.81 लाख की तुलना में मार्च 2002 के लिए रु.0.89 लाख तक पहुँच गया है ।

वर्ष के दौरान जमाराशियों की औसत लागत 6.83% से घटकर 6.54% पर आ गई है, जबकि अग्रिमों पर औसत प्रतिलाभ 13.18% से घटकर 12.74% हो गया है । बैंक का निवल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.63% रहा, जो कि अनेक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ तुलना करने पर अनुकूल स्थिति में है ।

CHAIRMAN'S STATEMENT

I have great pleasure in sharing with you the highlights of the performance of your Bank for the year ended 31st March 2002.

The Indian economy experienced strains during the year particularly on the industrial front. The growth of Gross Domestic Product (GDP) is expected to be 5.4% for 2001-02 as against 4% for the previous year. This increase is mainly on account of the agricultural sector growing encouragingly from a negative rate of 0.2% in 2000-01 to a positive rate of 5.7% for 2001-02. Further, the services sector too is expected to grow well by 6.2% in 2001-02 as against 5% in the previous year. The GDP could have been higher but for the poor performance of the industrial sector which grew at 3.3% during 2001-02 as compared to 6.2% for 2000-01. While the manufacturing sector recorded a decelerated growth in all months of 2001-02 (upto February), infrastructure industries registered a growth of only 2.7% during the period as against 5.6% in the corresponding period of last year. Consequently, the index of industrial production grew by just 2.6% during the 11 month period ended February 2002 as compared to 5.4% during the period ended February 2001. This triggered recessionary trends in the economy and affected the banking sector in the form of excess liquidity and poor credit offtake.

There were however encouraging features in certain key areas. The annual rate of inflation based on the Wholesale Price Index was 1.4% at the end of March 2002 as compared to 4.9% at the end of March 2001. The foreign exchange reserves were quite comfortable at a record US $ 54.1 billion as at March 2002.

You will be happy to know that the Bank recorded the highest ever net profit of Rs.250.55 crore as at 31.3.2002 as compared to Rs.234.94 crore for the previous year. The operating profit of the Bank encouragingly rose to Rs.355.24 crore as at March 2002 as against Rs.297.80 crore as at March 2001. The Board of Directors of the Bank have declared a dividend of 12% for the year on a par issue which is a healthy return in the current falling interest rate scenario.

The financial ratios of the Bank adequately testify to its strength and soundness. The networth of the Bank rose from Rs.1010 crore to Rs.1204 crore during the year. The Capital Adequacy Ratio improved from 11.72% to 12.12% in the same period as against the RBI benchmark of 9%. The earnings per share moved up from Rs.4.98 to Rs.5.31. The productivity per employee rose from Rs.134 lakh to Rs.155 lakh during the year while profit per employee increased from Rs.0.81 lakh as at March 2001 to Rs. 0.89 lakh as at March 2002.

The average cost of deposits came down from 6.83% to 6.54% while average yield on advances declined from 13.18% to 12.74% during the year. The net NPA ratio of the Bank was 4.63% that compares favourably with that of several public sector banks.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक का सार्वभौमिक व्यवसाय रु.44058 करोड़ की सीमा तक पहुँच गया है, जबकि उसकी जमाराशियाँ रु.28548 करोड़ और अग्रिम राशियाँ रु.15510 करोड़ पर पहुँच गई हैं । बैंक का सार्वभौमिक निवेश 31.3.2001 के रु.10,550 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2002 के अनुसार रु.11,911 करोड़ हो गया ।

आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि बैंक, अपने एकीकृत डीलिंग-रूम के माध्यम से फॉरेक्स के साथ-साथ घरेलू कोष परिचालन में बहुत सक्रिय रहा है । इसका विदेशी मुद्रा व्यापारावर्तन वर्ष 2000-01 में रु.94,520 करोड़ था तथा अब बढ़कर वर्ष 2001-02 में 48% की दर से रु.1,40,156 करोड़ हो गया । यह, विदेशी मुद्रा और रुपया मुद्रा बाजार दोनों में प्रमुख सक्रिय बैंक है । बैंक की एक विदेशी शाखा लंदन में स्थित है जो कि पिछले 25 वर्षों से यू.के. और अफ्रीकी देशों में रहनेवाले भारतीयों की व्यावसायिक आवश्यकताओं का प्रबंध कर रही है और बैंक ओमान एवं कतार में दो विनिमय कंपनियों का प्रबंध भी कर रहा है जो कि निर्वासित भारतीयों को व्यारोबारी बैंकिंग समाधान देते हुए आवक विप्रेषण को बढ़ावा दे रहा है।

बैंक ने सामाजिक वित्तीयन के क्षेत्र में अपना श्रेष्ठ निष्पादन कायम रखा है । बैंक ने प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों, कृषि उधार, कमज़ोर वर्गों और महिलाओं के वित्तीयन के क्षेत्र में भा.रि.बैं. द्वारा निर्धारित सभी महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पार किया है । बैंक ने अब तक 2.99 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं, जोकि भा.रि.बैं. द्वारा आबंटित 1.74 लाख कार्ड के लक्ष्य से काफी अधिक हैं ।

वर्ष के दौरान बैंक ने सिंडिकेट रिटेल क्रेडिट कार्ड का भी शुभारंभ किया, जो व्यापारियों, छोटे उद्यमियों आदि को बिना किसी बाधा के ऋण प्रदान करता है । इस सरल और नवोन्मेषी योजना को देश भर में सराहा गया और इस योजना को भारतीय बैंक संघ ने सभी सार्वजनिक बैंकों में 'लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड' के रूप में प्रवर्तित किया । बैंक ने मार्च, 2002 के अंत तक छः महीने की अवधि में 6400 कार्ड जारी किए ।

बैंक ने ग्राहक सेवा में सुधार लाने के लिए अपने दैनंदिन परिचालनों में तकनीकी का व्यापक रूप से प्रयोग किया । बैंक ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित 70% के आधार की तुलना में अपने कारोबार के 78.8% से अधिक कार्यों का कंप्यूटरीकरण किया । बैंक ने अपनी 1750 शाखाओं में से 1222 शाखाओं को कंप्यूटरीकृत किया जो बैंक शाखा नेटवर्क का 70% होता है । कंप्यूटरीकृत शाखाओं में से 545 शाखाएँ ग्रामीण/अर्धशहरी केन्द्रों में हैं ।

प्रौद्योगिकी की दृष्टि से यह वर्ष बैंक के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा, जिसमें बैंक ने केन्द्रीकृत बैंकिंग समाधान की शुरुआत करने में प्रमुख पहल की और मार्च 2004 तक 200 महत्वपूर्ण शाखाओं को नेट-वर्क से जोड़ने की योजना है। यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिकतर ग्राहक सेवा पर केन्द्रित है, जिसमें 'सिंगल विंडो सुविधा', विस्तारित कारोबार समय, निःशुल्क ए.टी.एम.कार्ड, तत्काल निधि अंतरण, टेली बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग जैसी आकर्षक सुविधाएँ उपलब्ध हैं । ई-बैंकिंग सुविधा, पहले से ही प्रायोगिक आधार पर दिल्ली, मुंबई, बेंगलूर और मणिपाल में स्थित 8 शाखाओं में शुरु की जा चुकी है । प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बैंक के कृत प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर तब मान्यता प्राप्त हुई, जब उसे भा.रि.बैं. द्वारा संस्थापित बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास और अनुसंधान संस्थान द्वारा वर्ष 2001 के लिए "इनफिनेट" पर बैंकिंग अनुप्रयोजन के नवोन्मेषी प्रयोग के लिए 'बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया ।

The Bank's global business touched Rs.44058 crore with deposits of Rs.28548 crore and advances of Rs.15510 crore. Global investments rose from Rs.10,550 crore as at 31.3.2001 to Rs. 11,911 crore as at 31.3.2002.

You will be happy to know that the Bank is very active in forex as well as domestic treasury operations through its integrated Dealing Room. Its foreign exchange turnover rose from Rs. 94,520 crore in 2000-01 to Rs. 1,40,156 crore in 2001-02 at a rate of 48%. It is a market maker in both foreign exchange and rupee money markets. The Bank has an overseas branch at London for over a quarter century mainly catering to the business requirements of ethnic Indians in U.K. and African countries and manages two exchange companies at Oman and Qatar which facilitate inward flow of remittances of expatriate Indians by giving them customised banking solutions.

The Bank continued to excel in the area of social lending. It successfully surpassed the targets prescribed by the RBI in the area of Priority Sector advances, agricultural credit, weaker section advances and credit to women. The Bank had also issued 2.99 lakh Kisan Credit Cards as against the target of 1.74 lakh cards allotted by the RBI since inception of the facility.

The Bank pioneered the introduction of Syndicate Retail Credit Cards during the year which provides for hassle free credit to traders, small entrepreneurs etc. This simple and innovative scheme earned nationwide appreciation and was replicated in all public sector banks at the instance of the Indian Banks Association as "Laghu Udyami Credit Card". The Bank had issued 6400 cards in the six month period ended March 2002.

The Bank continued to deploy technology extensively in its day to day operations for improving the quality of customer service. It has computerised 78.8% of its business as compared to the benchmark of 70% prescribed by the Central Vigilance Commission. The Bank has also computerised 1222 out of its 1750 branches accounting for 70% of the branch network. Of the computerised branches, 545 are in rural/semi-urban centres.

It was a landmark year on the technology front with the Bank becoming the first public sector bank to implement the Centralised Banking Solution envisaging the networking of 200 strategic branches by March 2004. This IT platform is highly customer centric with attractive features like single window facility, longer business hours, free ATM cards, instant funds transfer, anywhere banking including tele-banking and internet banking etc. E-banking has already been launched on a pilot basis at 8 branches located in Delhi, Mumbai, Bangalore and Manipal. The Bank's efforts on the technology front won recognition at the national level when it was presented the "Banking Technology Award" for innovative use of banking applications on INFINET for the year 2001 by the Institute for Development and Research in Banking Technology (IDRBT) established by RBI.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

ग्राहकों को बेहतरीन सेवा प्रदान करने के लिए बैंक परम प्राथमिकता देता आ रहा है। मार्च, 2002 के अंत तक बैंक ने 257 शाखाओं में सात दिवसीय बैंकिंग सेवा शुरु की, 586 शाखाओं में विस्तारित कारोबार समय लागू किया और 12 शाखाओं में डिमैट/ऑन लाइन व्यापार सुविधा उपलब्ध कराई है । बैंक ने नवीकरण योग्य ऊर्जा स्रोत को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मेषी ऋण योजना के रूप में 4185 सौर जल तापन प्रणाली लगवाने के लिए भी वित्तीय सहायता दी है ।

बैंक ने वर्ष के दौरान मानव संसाधन विकास के लिए व्यापक प्रोत्साहन दिया । बैंक ने, जोखिम प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी आस्ति-देयता प्रबंधन और उत्पादों और सेवाओं के विपणन जैसे नए क्षेत्रों में 8800 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया । जबकि, वर्ष के दौरान 3261 कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (स्वै.से.यो. 2000) के अंतर्गत सेवामुक्त किया गया और बाकी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के बाद की स्थिति का डटकर सामना किया और बैंक के ग्राहकों को प्रभावी ढंग से संपोषित किया । बैंक ने अ.जा/अ.ज.जा. कर्मचारियों के कल्याण के लिए सरकारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार पदोन्नतियों में आरक्षण/रियायत प्रदान करते हुए उन पर विशेष ध्यान दिया ।

मैं इस अवसर पर आपको आश्वस्त करता हूँ कि बैंक स्थिर, मज़बूत और सुदृढ़ है। वह चुनौतियों और सुअवसरों के उभरते युग की दहलीज़ पर खड़ा है । वह बैंकिंग क्षेत्र में होनेवाले परिवर्तनों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए दृढ़ता से तैयार है ।

Extending quality customer service always attracts top priority in the Bank's scheme of things. As at March 2002, the Bank had introduced 7 day banking in 257 branches, increased the business hours at 586 branches and made available DEMAT/ Online trading facility at 12 branches. The Bank also financially assisted the installation of 4185 solar water heating systems as part of its innovative loan scheme to promote renewable sources of energy.

The Bank attached considerable importance during the year to the development of its human resources. It trained over 8800 officers and employees in the emerging areas of Risk Management, Information Technology, Asset Liability Management and Marketing of products and services. While 3,261 employees were relieved under the Voluntary Retirement Scheme (VRS 2000) during the year, the rest of the employees rose to the occasion in the post VRS scenario to effectively sustain the Bank's customer focus. The Bank also showed special concern for the welfare of SC/ST personnel by extending reservation/concessions to them in promotions as per Govt. guidelines.

I take this opportunity to assure you that the Bank is stable, strong and sound. It is on the threshold of an exciting era of challenges and opportunities. It has equipped itself adequately to meet the fast paced changes in the banking arena with clarity and confidence.

मनमोहन सिंह कपूर

(एम. एस. कपूर)
अध्यक्षऔर प्रबंध निदेशक
(समवर्ती पदभार)

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 1 मई, 2002

MS

(M S KAPUR)
Chairman & Managing Director
(Concurrent Charge)

PLACE : BANGALORE
Date : 1st May 2002

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank
विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय: मणिपाल -576 119
Head Office: Manipal - 576 119

सूचना

सूचना दी जाती है कि सिंडिकेटबैंक के शेयरधारकों की तीसरी वार्षिक आम बैठक बुधवार, 12 जून, 2002 को प्रात: 10.00 बजे सिंडिकेटबैंक स्वर्ण जयंती सभाभवन, मणिपाल – 576 119, में निम्नलिखित कारोबार का संव्यवहार करने के लिए होगी:

"31.3.2002 की स्थिति के अनुसार बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च 2002 को समाप्त हुए वर्ष के संबंध में लाभ व हानि लेखा, लेखे से संबंधित अवधि के दौरान बैंक के कार्यचालन और उसकी गतिविधियों पर निदेशकों के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखों पर लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन पर चर्चा करने के लिए."

मनमोहन सिंह कपूर

(एम. एस. कपूर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(समवर्ती पदभार)

स्थान: मणिपाल
दिनांक: 15-5-2002

Report Junction.com

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Third Annual General Meeting of the shareholder members of SyndicateBank will be held at SyndicateBank Golden Jubilee Auditorium, Manipal – 576 119 on Wednesday, the 12th June, 2002 at 10.00 a.m. to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31-3-2002, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2002, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

MS

(M. S. Kapur)
Chairman & Managing Director
(Concurrent Charge)

Place : Manipal
Date: 15-5-2002

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

विश्वस्त . संवेदनशील RELIABLE . RESPONSIVE

प्रधान कार्यालय: मणिपाल -576 119
Head Office: Manipal - 576 119

नोट

1. **प्रॉक्सी की नियुक्ति :**

बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक सदस्य को अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का अधिकार है । प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी वार्षिक आम बैठक प्रारंभ होने से कम से कम **चार दिन** पहले अर्थात् शुक्रवार 7 जून, 2002 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए ।

2. **प्रतिनिधि की नियुक्ति :**

कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी कंपनी अथवा किसी निकाय कारपोरेट, जो कि शेयरधारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने विषयक संकल्प, जिस बैठक में वह पारित किया गया था उसके अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, की प्रति सिंडिकेटबैंक, प्रधान कार्यालय, मणिपाल में, महा प्रबंधक, शेयर विभाग, को वार्षिक आम बैठक की तारीख से **चार दिन** पहले अर्थात् शुक्रवार, 7 जून, 2002 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले जमा नहीं करता/करती है ।

3. **उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र :**

शेयरधारक सदस्यों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र इस नोटिस के साथ संलग्न है । शेयरधारक सदस्यों/प्राक्सीधारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उसे बैठक स्थल पर सौंप दें । शेयरधारक के प्रॉक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर 'प्रॉक्सी' अथवा "प्रतिनिधि" जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करना चाहिए ।

4. **बही बंदी :**

तीसरी वार्षिक आम बैठक के सिलसिले में और बैंक द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने के लिए पात्र शेयरधारक सदस्यों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए सदस्यों की पंजी और बैंक की शेयर अंतरण बहियाँ, गुरुवार 16 मई 2002 से , शनिवार 18 मई, 2002 तक (इनमें दोनों दिन शामिल हैं) बंद रखी जायेगी।

5. **लाभांश :**

बैंक ने वर्ष 2001-2002 के लिए 12% लाभांश की घोषणा की है और यह भी निर्णय लिया गया है कि एनएसडीएल/ सीडीएसएल द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर में 15 मई, 2002 को जिन सदस्यों/हिताधिकारी स्वामियों के नाम हों, उन्हें लाभांश का भुगतान किया जाए।

6. **लाभांश हेतु बैंक अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ई सी एस):**

क) लाभांश वारंटों की कपटपूर्ण भुनाई से निवेशकर्ताओं को बचाने की दृष्टि से सदस्यों से अनुरोध है कि जब कभी बैंक द्वारा लाभांश की घोषणा की जाए वें अपनी बैंक खाता संख्या (चालू/ बचत), बैंक का नाम और उस शाखा का नाम प्रस्तुत करें जहाँ वे लाभांश वारंटों को भुनाई हेतु जमा करना चाहते हैं।

लाभांश वारंट के चेक हिस्से में शेयरधारक के नाम के साथ ये विवरण मुद्रित किए जाएंगे ताकि इन वारंटों को शेयर धारक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं भुनाया जा सके।

NOTES

1. **APPOINTMENT OF PROXY:**

A SHAREHOLDER MEMBER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/ HERSELF. The proxy, in order to be effective, must be received by the Bank at the place specified in the proxy form, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Friday, the 7th June, 2002.

2. **APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE:**

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Manipal with the General Manager, Shares Department, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Friday, the 7th June, 2002.

3. **ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS:**

For the convenience of the Shareholder members, Attendance Slip-Cum-Entry Pass is annexed to this Notice. Shareholder members/ Proxy holders/ Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/ Representative of a shareholder should state on the attendance Slip-Cum-Entry pass as 'Proxy' or 'Representative' as the case may be.

4. **BOOK CLOSURE:**

The Register of Members and the Share Transfer Books of the Bank will be closed from Thursday, the 16th May, 2002 till Saturday 18th May, 2002 (both days inclusive) in connection with the Third Annual General Meeting and for the purpose of determining the shareholder members entitled to receive the Dividend declared by the Bank.

5. **DIVIDEND :**

The Bank has declared a dividend of 12% for the year 2001-2002 and also it has been decided to pay the dividend to the shareholder members whose names appear on the Register of Members/beneficial owners as furnished by NSDL/CDSL as on 15th May, 2002.

6. **BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS):**

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to furnish their Bank Account Number (Current/ Savings), the name of the Bank and Branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment, whenever Dividend is declared by the Bank.

These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant besides the name of the shareholder, so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उपर्युक्त विवरण प्रथम/ एकमात्र धारक द्वारा फोलियो संख्या, धारित शेयरों की संख्या, धारिता संबंधी ब्यौरे आदि बताते हुए सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेंट को प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ख) बैंक, निर्दिष्ट शहरों में रहनेवाले शेयरधारकों को ई.सी.एस. की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस ई.सी.एस. सुविधा के बारे में विस्तृत सूचना संलग्न है।
लाभांशों को जमा करवाने के लिए, जब कभी वे बैंक द्वारा घोषित किए जाएं, शेयरधारक बैंक अधिदेश प्रणाली के बदले में इस सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

7. **बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में (डिमैट) अनिवार्य शेयर व्यापार :**
भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा दिए गए दिशा निदेशों के अनुसरण में सभी निवेशकों के लिए हमारे बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में व्यापार 26 जून,2000 से अनिवार्य कर दिया गया है।
बैंक ने नेशनल सेक्यूरिटीज़ डिपोज़िटरी लिमिटेड (एन.एस.डी.एल) और सेंट्रल डिपोज़िटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सी.डी.एस.एल) से बैंक के शेयरों के बेकागज़ीकरण के लिए निर्गतकर्ता कंपनी के रूप में करार किया है।
बेकागज़ीकरण संबंधी अनुरोध संबंधित डिपोज़िटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर ट्रान्सफर एजेन्ट को भेजे जाएं ।

8. **फोलियो का समेकन :**
एक ही नाम पर तथा उसी क्रम में विभिन्न फोलियों में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे ऐसे शेयरधारण के ब्यौरे शेयर अंतरण अभिकर्ताओं को प्रस्तुत करें ताकि वे उन शेयर पूंजियों को एक ही पूंजी के अंतर्गत समेकित कर सकें। इससे बैंक , शेयरधारकों को और अधिक कारगर ढंग से सेवा दे पायेगा।

9. **तुलन पत्र की प्रतियां :**
शेयर धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक आम बैठक के स्थान पर वितरित नहीं की जाएगी अतएव सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां साथ ले आएं जो उनके पंजीकृत पते पर बैंक द्वारा उनको डाक से भेजी गयी हैं।

10. **शेयर अंतरण अभिकर्ताओं से पत्राचार :**
शेयरधारकों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर सूचित करें:
मेसर्स कार्वी कन्सल्टेंट्स लिमिटेड
यूनिट: सिंडिकेटबैंक
46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1
बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034
दूरभाष 040 - 3326591 3320751-53 फैक्स 040 - 3311968

11. **अन्य सूचना :**
शेयर धारक कृपया ध्यान दें कि बैठक में कोई उपहार/ कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

12. **निवेशक संपर्क केन्द्र :**
शेयर धारकों को शीघ्र और दक्षता पूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के लिए सिंडिकेट बैंक ने अपने नैगम कार्यालय बेंगलूर में निवेशक संपर्क विभाग खोला है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी सहायता के लिए इस केन्द्र से निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं :
महा प्रबंधक
निवेशक संपर्क केन्द्र,
सिंडिकेटबैंक, नैगम कार्यालय,
गांधीनगर, बेंगलूर - 560 009.
दूरभाष 080 - 2283030 फैक्स 080 - 2266495

मनमोहन सिंह कपूर
(एम. एस. कपूर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(समवर्ती पदभार)

स्थान: मणिपाल
दिनांक: 15-5-2002

The above mentioned details should be furnished by the first/ sole holder, directly to the Share Transfer Agents at Hyderabad, quoting the folio number, number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities. The detailed information letter about the ECS facilities is annexed.
This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate System for receiving the credit of dividends, whenever declared by the Bank.

7. **COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED (DEMAT) FORM :**
Pursuant to the directive given by SEBI, trading of our Bank shares in Dematerialised form has been made compulsory for all investors with effect from June 26, 2000.
The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd.(NSDL) and Central Depository Services(India) Ltd.(CDSL) as an issuer company for dematerialisation of Bank's shares.
Request for dematerialisation may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share Transfer Agents.

8. **CONSOLIDATION OF FOLIOS:**
Shareholders holding shares in various folios with identical names and in same order are requested to furnish details of such holding to the Share Transfer Agents, to enable them to consolidate those holdings into a single holding. This will facilitate the Bank to service the shareholders more effectively.

9. **COPIES OF BALANCE SHEET:**
Shareholder Members are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence the Members are requested to bring their copies of the Annual Report which are mailed by the Bank to them at the registered addresses.

10. **COMMUNICATION WITH THE SHARE TRANSFER AGENTS:**
Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address:
M/s. Karvy Consultants Ltd.
UNIT: SYNDICATE BANK
46, Avenue 4, Street No.1
Banjara Hills, HYDERABAD - 500 034
Tel. 040 - 3326591 3320751-53 Fax - 040 - 3311968

11. **OTHER INFORMATION:**
Shareholders may kindly note that no gift/ coupon will be distributed at the meeting.

12. **INVESTOR RELATIONS CENTRE:**
In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, SyndicateBank has set up Investors Relation Centre at its Corporate Office, Bangalore. Shareholders and investors may contact this Centre at the under mentioned address for any assistance:
The General Manager
Investor Relations Centre
SyndicateBank, Corporate Office
Gandhinagar, BANGALORE - 560 009
Tel. 080 - 2283030 Fax - 080 - 2266495

MS
(M. S. Kapur)
Chairman and Managing Director
(Concurrent Charge)

Place: Manipal
Date: 15-5-2002

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों का प्रतिवेदन

निदेशक मंडल, बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन और 31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि लेखा सहर्ष प्रस्तुत करता है ।

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण

स्थूल आर्थिक सिंहावलोकन :

अमेरिका पर आतंकवादियों के आक्रमण के कारण विकसित देशों की अर्थ व्यवस्थाओं में अंकुरित मंदीयुक्त प्रवृत्ति से वर्ष के दौरान विश्व की अर्थ व्यवस्था में भी मंदी का दौर आया है । परिणाम स्वरूप, वर्ष के दौरान विश्व की अर्थ व्यवस्था में लगभग 2.5% की अल्प वृद्धि के दर्शाने की ही संभावना है ।

भारतीय अर्थव्यवस्था भी, ज्यादातर, प्रथम छमाही के दौरान गुजरात में आए भीषण भूकम्प के परिणामों की वजह से तथा द्वितीय छमाही के दौरान सार्वभौमिक आर्थिक मंदी के फल स्वरूप, निर्यात की वृद्धि में हुई भारी गिरावट के कारण संकट के दौर से गुजर रही है । इस वर्ष स.घ.उ. की वृद्धि 5.4% थी जो कि वर्ष 2000-2001 में 4% थी ।

कृषि क्षेत्र में पिछले वर्ष की नकारात्मक वृद्धि 0.2% की तुलना में इस वर्ष 5.7% की वृद्धि दर्ज की है । फिर भी, औद्योगिक क्षेत्र ने सकल मूल्य के संदर्भ में वर्ष 2000-2001 में 6.2% की तुलना में वर्ष 2001-2002 में 3.3% की वृद्धि दर्शाई है । औद्योगिक उत्पाद का सूचकांक, पिछले वर्ष की 5.4% (अप्रैल से फरवरी तक) की तुलना में वर्ष 2001-2002 (अप्रैल से फरवरी तक) के दौरान 2.6% तक बढ़ा है । विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में वर्ष 2001-02 (अप्रैल-फरवरी तक) में सभी महीनों में गिरावट आई है । संरचनात्मक उद्योग ने अप्रैल-फरवरी (2000-2001) में 5.6% की तुलना में अप्रैल-फरवरी (2001-2002) के दौरान 2.7% की वृद्धि दर्शाई है । सेवा क्षेत्र ने अपेक्षाकृत बेहतर वृद्धि दर्ज की है और पिछले वर्ष के 5.0% की तुलना में 6.2% तक की वृद्धि दर्शाई है । इस क्षेत्र ने वर्ष 2001-2002 के दौरान अनुमानित वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 5.4% के प्रति 3.3 प्रतिशतता का अंशदान दिया है । फिर भी वर्ष के दौरान दो क्षेत्र चिंता की बात बनी रही जैसे कि राजकोषीय घाटा स.घ.उ. का 4.7% का बजट विहित स्तर की तुलना में 5.7% तक पहुँच गया जबकि निर्यात के मामले में अप्रैल-फरवरी '02 की अवधि के दौरान डॉलर मूल्य में 0.02% की गिरावट हुई जो कि पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि में 20.6% का अत्यधिक स्तर पर था ।

वर्ष के दौरान एक सकारात्मक विशिष्टता यह थी कि थोक मूल्य सूचकांक में होनेवाले बिंदुवार परिवर्तनों के आधार पर मुद्रास्फीति की वार्षिक दर को निर्धारित किया गया जो कि वर्ष 2000-2001 में 4.9% की तुलना में मार्च 2002 के अंत में 1.4% थी । विदेशी मुद्रा की आरक्षित निधियों की स्थिति बेहतर थी जो कि मार्च 2002 में अमरीकी डॉलर 54.1 बिलियन थी ।

उपर्युक्त स्थूल अर्थ व्यवस्था का प्रभाव, अतिरिक्त नकदी, खराब ऋण और सुलभ ब्याज दर के रूप में बैंकों पर पड़ा है ।

बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में अधिक सुधार करने के लिए अनेक उपाय किये गये । बैंकों की परिचालनात्मक क्षमता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाये गये । इन उपायों की एक महत्वपूर्ण विशेषता संविदापरक बचतों पर निर्धारित ब्याज दरों में होनेवाली कटौती से संबंधित है, जिसने ब्याज दर प्रणाली को और भी लचीला बनाया है । वर्ष के दौरान सर्वव्यापी बैंकिंग के रूप में परिवर्तन होने का संकेत पाया जा रहा है ।

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank as also the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2002.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

MACRO ECONOMIC OVERVIEW:

The world economy witnessed a downturn during the year arising from the recessionary trends in the economies of developed countries exacerbated by the terrorist attacks on the United States. As a result, the global economy is expected to record a meagre growth of around 2.5% for the year.

The Indian economy too passed through a difficult phase largely on account of the after effects of the Gujarat earthquake in the first half of the year and a sharp reversal in export growth consequent to global recessionary trends in the second half of the year. The GDP growth for the year was 5.4% as compared to 4% in 2000-2001.

The agricultural sector performed encouragingly with a growth of 5.7% during the year as compared to the negative growth of 0.2% in the previous year. However, the industrial sector in terms of gross value added is estimated to have grown at 3.3% for 2001-02 as against 6.2% for 2000-01. The index of industrial production rose by 2.6% during 01-02 (April-Feb.) as compared to 5.4% (April-Feb.) in the previous year. While the manufacturing sector recorded a decelerated growth in all months of 2001-02 (upto February), infrastructure industries recorded a growth of 2.7% during April-Feb (01-02) as against 5.6 % in April - Feb. (00-01)). Services sector has relatively done well and is expected to have grown by 6.2% as compared to 5.0% in the previous year. This sector is expected to have contributed 3.3 percentage points to the estimated real GDP growth of 5.4% during 2001-02. However, two areas of concern related to fiscal deficit touching 5.7% vis-a-vis the budgeted level of 4.7% of GDP for the year while exports decelerated by 0.02% during April-Feb. 02 in dollar terms compared to a whopping 20.6% increase in the corresponding period of last year.

A positive feature during the year was that the annual rate of inflation measured on the basis of point to point variations in the Wholesale Price Index was 1.4% as at the end of March 02 as against 4.9% in 2000-01. Foreign exchange reserves were in a comfortable position at US$ 54.1 billion as at March 2002.

The above macro economic scenario impacted itself on Banks in the form of excess liquidity, sluggish credit offtake and softer interest rate.

BANKING SCENARIO

The process of banking sector reforms was carried forward during the year. Several measures were taken to improve the operational efficiency of banks. A significant feature of these reforms related to the reduction in the administered interest rates on contractual savings which made the interest rate regime even more flexible. There were evident signs of a trend towards transition to universal banking during the year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अल्प मांग और खराब ऋण वितरण की वजह से अर्थव्यवस्था में हुई मंदी की स्थिति ने बैंकिंग क्षेत्र को बहुत प्रभावित किया है । वर्ष 2001-2002 के दौरान स्थूल मुद्रा की (एम3) बिंदुवार वृद्धि, वर्ष 2000-2001 के दौरान 16.8% (14.5% इंडिया मिलेनियम जमाराशि का निवल) की तुलना में 14% थी । वर्ष के दौरान आरक्षित नकदी निधी अनुपात चरणबद्ध रूप में कम हुआ जो कि वर्ष के आरंभ में 8% रहा और 31.3.2002 के अंत में 5.5% हो गया जिससे बैंकों की चल-निधि में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है । फिर भी, यह प्रणाली इस चल-निधि को व्यापार एवं उपयोग को दिये जाने वाले नये ऋण के रूप में परिवर्तन नहीं कर सकी ।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियाँ वर्ष 2000-2001 में 16.2% की तुलना में 13.6% की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष के दौरान रु.9,89,140 करोड़ से बढ़कर रु.11,23,416 करोड़ हो गयीं । अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का ऋण, पिछले वर्ष के 16.6% की तुलना में 14.2% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु.5,29,272 करोड़ से बढ़कर रु.6,04,487 करोड़ हो गया । वर्ष के दौरान खाद्यान्न ऋण गत वर्ष के 37.06% की तुलना में बढ़कर 59.51% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु.89,762 करोड़ से रु.54,501 करोड़ हा गया । गैर खाद्यान्न ऋण गत वर्ष के 12.35% की तुलना में बढ़कर 14.07% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु.4,89,510 करोड़ से 5,49,986 करोड़ हो गया । वर्ष के दौरान सकल बैंकिंग व्यवहार में जो लगभग 1.5% की गिरावट आई है, वह देश के आर्थिक क्रियाकलापों की वृद्धि दर में हुई समग्र गिरावट की वजह से हुई है ।

निवेश एवं ऋण की ब्याज दर में हुई गिरावट ने ब्याज विस्तारण पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है । ऋण बाजार की वृद्धि ने भी अमध्यस्थता प्रक्रिया को बढ़ावा दिया है । वर्ष के दौरान कंपनियाँ कम मू.उ.द. की अपेक्षा करती रहीं जबकि समस्त बैंकिंग प्रणाली ने प्रतिलाभ में सुधार लाने की दृष्टि से वैयक्तिक बैंकिंग योजनाओं में अपना ध्यान केन्द्रित किया । इसलिए, इस वर्ष में कारोबार की वृद्धि धीमी पड़ गई और परिचालन में समग्रतः दृढ़ता आ गई, जो इस वर्ष की एक प्रमुख विशेषता थी ।

The banking sector was considerably affected by the recessionary conditions in the economy characterised by low demand and poor offtake of credit. The point to point growth in broad money (M3) during 2001-02 was 14% compared to 16.8% (14.5% net of India Millennium Deposits) during 2000-01. The cash reserve ratio was reduced in phases during the year from 8% at the beginning of the year to 5.5% as at 31.3.2002 significantly improving the liquidity of banks. However the system lagged behind in converting this liquidity into fresh credit to trade and industry.

The aggregate deposits of scheduled commercial banks (SCBs) rose from Rs.9,89,140 crore to Rs.11,23,416 crore during the year at 13.6 % as compared to 16.2% in 2000-01. Credit of SCBs increased from Rs.5,29,272 crore to Rs.6,04,487 crore with a growth rate of 14.2% as compared to 16.6 % in the previous year. Food credit rose from Rs.39,762 crore to Rs.54,501 crore at 37.06 % as compared to 59.51% in the previous year while non food credit increased moderately from Rs.4,89,510 crore to Rs.5,49,986 crore at 12.35% as compared to 14.07% in the previous year. The decline in the growth rate of total banking business by around 1.5% during the year was attributable to the overall deceleration in the country's economic activity.

The falling interest rate scenario in respect of both investments and credit adversely affected the interest spreads. Development of debt markets also accelerated the process of disintermediation. With corporates looking for sub-PLR rates, the banking system as a whole turned the focus on personal banking schemes to improve the yield. The year was therefore characterised by subdued business growth and overall consolidation in operations.

सिंडिकेट बैंक का निष्पादन

परिचालन परिणाम

"लाभ सहित प्रगति" बैंक का इस वर्ष का नैगम लक्ष्य रहा । वर्ष के दौरान बैंक की प्रगति इन आकांक्षाओं के अनुरूप थी जो विशेषतया उच्च कोटि के कारोबार को बढ़ाने और अधिकतम लाभ अर्जित करने पर केन्द्रीकृत थी । वर्ष के दौरान कारोबार के प्रखर मानदण्डों के अंतर्गत किये गये निष्पादन के ब्योरे निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत हैं ।

(रु. करोड़ों में)

मानदण्ड	31.3.2001	31.3.2002	प्रतिशतता वृद्धि	
			2001-02	2000-01
निवल लाभ	234.94	250.55	6.64	8.95
परिचालन लाभ	297.80	355.24	19.29	6.14
सार्वभौमिक जमाराशियाँ	25,095	28,548	13.76	6.09
सार्वभौमिक अग्रिम	13,660	15,510	13.54	6.62
सार्वभौमिक कारोबार	38,755	44,058	13.68	6.27

वित्तीय स्थिति

बैंक ने वर्ष 2001-2002 के दौरान मुख्य वित्तीय मानदण्डों के अधीन संतोषजनक निष्पादन दर्ज किया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

SYNDICATE BANK'S PERFORMANCE

OPERATING RESULTS

The corporate theme of the Bank for the year was 'GROW WITH PROFITS' underpinning harmonisation of business development with a healthy bottomline. The Bank's progress during the year accorded well with this aspiration particularly from the view point of developing quality business and maximising profitability. The performance under key business parameters during the year is summarised in the following table.

(Rs. in crore)

Parameter	31.3.2001	31.3.2002	Percentage Growth	
			2001-02	2000-01
Net profit	234.94	250.55	6.64	8.95
Operating profit	297.80	355.24	19.29	6.14
Global deposits	25,095	28,548	13.76	6.09
Global advances	13,660	15,510	13.54	6.62
Global business	38,755	44,058	13.68	6.27

FINANCIALS

The Bank recorded satisfactory performance under key financial parameters during 2001-02 as noted below:

www.reportjunction.com